ग्वालियर यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज में शामिल

चर्चा में क्यों?

31 अक्तूबर, 2023 को मध्य प्रदेश की ऐतिहासिक नगरी ग्वालियर को यूनेस्को **(UNESCO)** ने अपनी क्रिएटिव सिटीज में शामिल किया है। ग्वालियर को उसकी संगीत विरासत के लिये चुना गया है।

प्रमुख बिंदु

- केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ट्वीट कर बताया कि मध्य प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर ग्वालियर-वासियों के लिये एक गौरव भरा ऐतिहासिक पल है। **UNESCO** द्वारा ग्वालियर को 'सिटी ऑफ म्यूजिक'की मान्यता दी गई है।
- यूनेस्को ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से दुनिया भर से 55 क्रिएटिव शहरों की सूची जारी की है। इनमें भारत से दो शहरों को जगह दी गई है। मध्य प्रदेश से ग्वालियर और केरल से कोझिकोड को यूनेस्को ने अपनी सूची में स्थान दिया है। ग्वालियर को 'संगीत'और कोझिकोड को 'साहित्य'के लिये चुना गया है।
- यूनेस्को ने अब तक इस सूची में 100 से अधिक देशों के 350 शहरों को शामिल किया है।
- विदित हो कि मध्य प्रदेश टूरिज्म विभाग ने इसका प्रस्ताव यूनेस्को को भेजा था। इस प्रस्ताव में बताया गया था कि ग्वालियर अपनी संगीत धरोहर के लिये दुनियाभर में जाना जाता है। यह शहर तानसेन, बैजू बावरा, राग-रागनी, ध्रुपद के लिये प्रसिद्ध है।

//
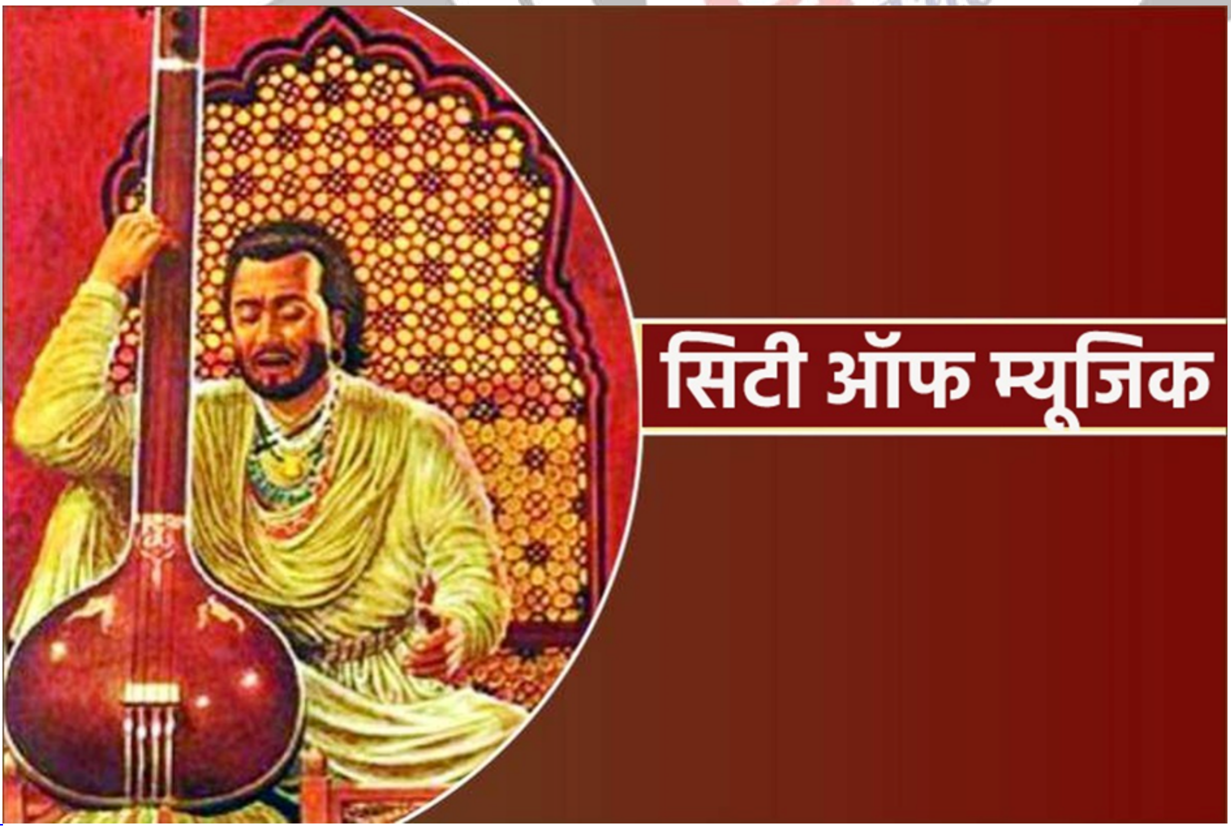

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/gwalior-included-in-unesco-creative-cities